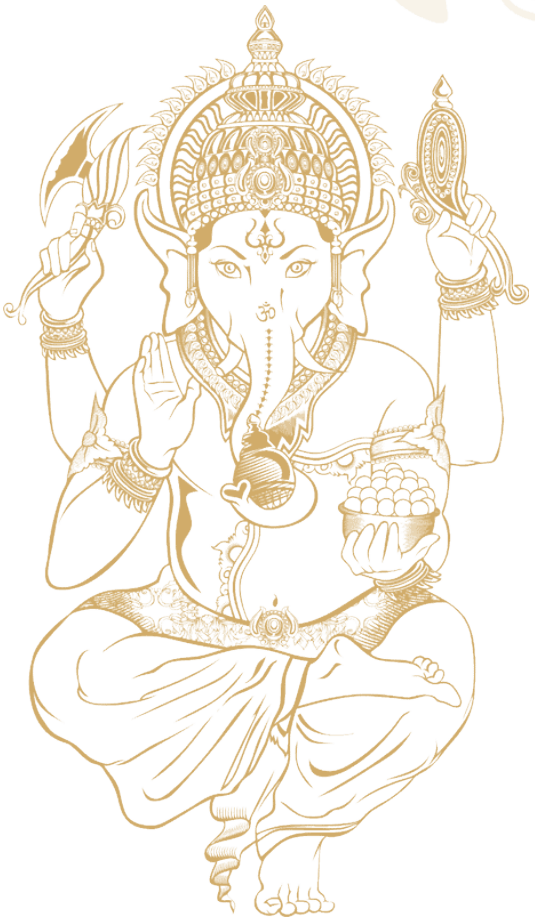

Mrpriti

08 Nov 2000

12:00 AM

Delhi

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**7-08/11/2000**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	43:25:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:20 घंटे
साम्पातिक काल	02:47:55 घंटे
सूर्योदय	06:37:55 घंटे
सूर्यास्त	17:31:38 घंटे
दिनमान	10:53:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:47:33 तुला
लग्न के अंश	24:19:05 कर्क

चैत्रादि संवत / शक	2057 / 1922
मास	कार्तिक
पक्ष	शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	11
तिथि समाप्ति काल	06:40:36
जन्म तिथि	11
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पू०भाद्रपद
नक्षत्र समाप्ति काल	29:17:28 घंटे
जन्म नक्षत्र	पू०भाद्रपद
सूर्योदय कालीन योग	व्याघात
योग समाप्ति काल	25:46:40 घंटे
जन्म योग	व्याघात
सूर्योदय कालीन करण	वणिज
करण समाप्ति काल	18:22:20 घंटे
जन्म करण	विष्टि
भयात	50:18:30
भभोग	63:32:09
भोग्य दशा काल	गुरु 3 वर्ष 4 मा 13 दि

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह		राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न		कर्क	24:19:05	---	--	--	--	नेक
सूर्य		तुला	21:47:33	नीच राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र		मीन	00:31:30	सम राशि	--	--	--	नेक
मंगल		कन्या	08:24:24	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
बुध	व	तुला	06:05:13	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	व	वृष	14:55:15	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र		वृश्चिक	29:44:15	सम राशि	--	--	--	नेक
शनि	व	वृष	04:34:22	मित्र राशि	--	--	हाँ	नेक
राहु	व	मिथुन	23:50:55	उच्च राशि	--	--	--	नेक
केतु	व	धनु	23:50:55	उच्च राशि	--	हाँ	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

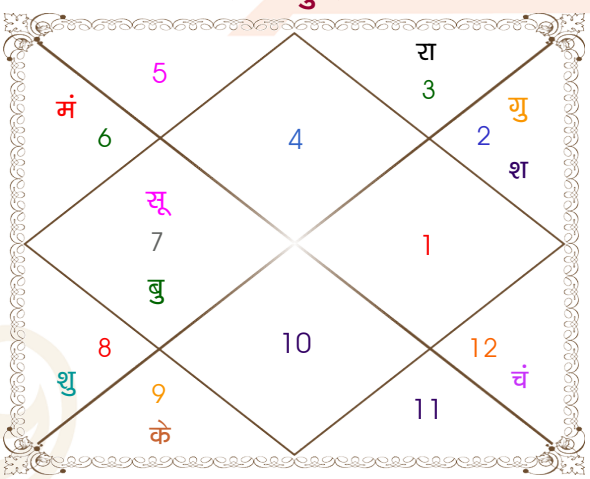

लालकिताब कुंडली

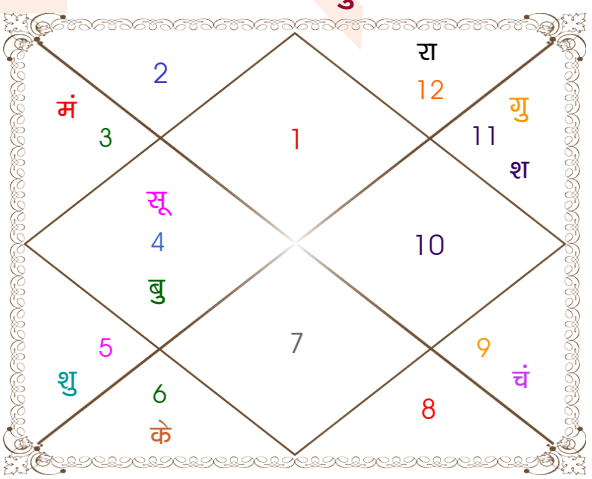

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप धन एकत्र करती रहेंगी। उस धन का लाभ दूसरे को मिलेगा मगर आपकी संतान करोड़पति होगी। आप नये अविष्कार से लाभ प्राप्त करेंगी। नये कार्यों में सफलता मिलेगी। आप अपना पैतृक/ससुराल का कार्य छोड़ कर नया काम करेंगी तो खूब लाभ होगा। आप विदेश में निवास करेंगी। पिता/ससुर के साथ आपका संबंध अच्छा रहेगा। पैतृक और ससुराल से संपत्ति का लाभ मिलेगा। आप घर में हैंडपंप, कुंआ आदि लगाएं तो शुभ फल होगा और आपके मन में शांति रहेगी। आप 25 वर्ष से 50 वर्ष की आयु तक खूब लाभ कमाएंगी। आप कपड़े, पानी और दूध के व्यवसाय से खूब लाभ प्राप्त करेंगी। आपको कपड़े के व्यवसाय से अधिक लाभ मिलेगा। आप काफी धन संग्रह करेंगी। आप फलों वाले पेड़-पौधे लगाएंगी। आपका भाग्य अच्छा है। आप अपने काम रात में करें तो अधिक लाभ होगा। आपके घर पर कोई मुसीबत नहीं आएगी। सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से लाभ मिलेगा, वाहन का सुख और लाभ होगा। पति से लाभ होगा या पति की नौकरी-व्यापार में तरक्की होगी।

यदि आपको चोरी की आदत होगी, दूसरे लोगों के बनते काम बिगाड़ेंगी, परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे या किसी पुरुष से बदतमीजी की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। माता/सास एवं भाई के सुख में हानि हो सकती है। समस्या न होने पर भी आप उदास रहेंगी। माता/सास का मन अशांत रहेगा एवं स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जीवन में कई कठिनाइयां आ सकती है। अगर आप दूसरों के बने बनाये काम बिगाड़ेंगी तो रक्तचाप का भय रहेगा और आपके कार्यों में रुकावटें पैदा होंगी और माता-पिता/सास-ससुर का सुख कम हो जायेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. चोरी की आदत से बचें।
2. पुरुषों के झगड़े में न पड़ें।

उपाय :
1. अंधों को भोजन देवें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में नौंवे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से आप दुःखियों की हमदर्द, समाज में आदरणीय, पैतृक/ससुराल जायदाद मिलेगी और उससे अधिक लाभ होगा। हर प्रकार से जीवन उत्तम बीतेगा। आपके जीवन के 24वें वर्ष में चंद्रमा का अच्छा फल

मिलेगा। आप घूमने-फिरने की शौकीन होंगी। तीर्थयात्रा भी करेंगी। आपका स्वभाव सरल, संगीत में रुचि रखने वाला, धार्मिक और कुशल कार्यकर्त्ता होंगी। आप गणित विद्या में माहिर होंगी। आप धर्म का पालन करेंगी। आपको अच्छी संतान का सुख नसीब होगा। आपके धन-दौलत में बरकत होगी। 34 वर्ष की आयु के बाद साधारण लेकिन 48 वर्ष की आयु के बाद आर्थिक हालत अच्छी हो जाएगी। आप विदेश का सफर करेंगी। दान-धर्म के कार्यो में पूरी दिलचस्पी रखेंगी। पिता/ससुर के प्रति अच्छा व्यवहार रहेगा। पिता/ससुर का पूरा सुख नसीब होगा। कभी-कभी आपसे गलत काम भी हो सकते हैं इसका विशेष ध्यान रखें। स्वभाव से साधू तथा व्यवहार में नम्र होंगी। यदि सिंह बन कर रहना चाहें तो उथल-पुथल होती रहेगी। आपके लिए नम्र बन कर रहना ही शुभकारक है। आप जीवन में तरक्की की चोटी तक पहुंच जाएंगी।

यदि आपने धार्मिक कार्यों के विरुद्ध कार्य किया या धर्म के नाम पर चंदा मांगा, माता/सास को कष्ट दिया या माता/सास का विरोध किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी अक्ल धोखा देगी, आपका छोटा दिल होगा और आवारा घूमने से हानि होगी। चांदी-पानी-चावल आदि सफेद वस्तुओं का कार्य हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परपुरुष से अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ-झूठ से दूर रहें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा करें या धार्मिक कार्य करें।
2. चंद्र ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।